साहित्य के विविध विमर्श

उच्चतर शिक्षा निदेशालय, पंचकूला, हरियाणा से अनुमोदित एवं
गुरु नानक गर्ल्ज कॉलेज यमुनानगर हरियाणा द्वारा आयोजित
एक दिवसीय बहुविषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत शोध पत्र

संपादक

डॉ. गीतू खन्ना

संपादक मण्डल

डॉ. शक्ति, डॉ. अंजू, संदीप कौर
डॉ. लक्ष्मी गुप्ता, डॉ. अमनदीप कौर

ISBN : 978-93-94628-38-0

© : लेखक

मूल्य : ₹ 500/-

प्रथम संस्करण : सन् 2024

प्रकाशक : विकास बुक कम्पनी
4378/4-बी, जेएमडी हाउस,
मुरारिलाल गली, अंसारी रोड,
दरियागंज, नई दिल्ली-110002
मोबाइल : 9643631687
email : vbcompany22@gmail.com

आवरण : के. एस. ग्राफिक्स

शब्द-संयोजन : सानिया कम्प्यूटर्स, दिल्ली

मुद्रक : विशाल कौशिक ऑफसेट प्रेस,
दिल्ली-110093

Sahitya Ke Vividh Vimarsh *Edited by* Dr. Geetu Khanna
Editorial Board : Dr. Shakti, Dr. Anju, Sandeep Kaur, Dr. Laxmi Gupta, Dr. Amandeep Kaur

अनुक्रम

शुभ सन्देश *6*

शुभ सन्देश *7*

शुभ सन्देश *8*

शुभ सन्देश *9*

संपादकीय *11*

1. समकालीन महिला कथा सहित्य में नारी विमर्श 17
   डॉ. नीना मेहता
2. हिंदी उपन्यासों में वेश्यावृत्ति विमर्श 28
   डॉ. नरेश कुमार सिहाग
3. प्रवासियों का प्रवास एक नज़र 37
   डॉ. रेखा.जी
4. साहित्य में नारी विमर्श 41
   डॉ. आर.एन. शीला
5. साहित्य में नारी विमर्श 47
   डॉ. जी शकीला
6. साहित्य में सूफ़ी काव्य विमर्श : वारसी सम्प्रदाय के आलोक में.... 51
   डॉ. दरख्शाँ बानो
7. समकालीन हिन्दी उपन्यासों में आदिवासी विमर्श 58
   दिव्या रानी
8. संस्कृत साहित्य में पर्यावरण विमर्श..... 64
   डॉ. पुष्पा शर्मा
9. साहित्य में आदिवासी विमर्श : झारखंड के संदर्भ में..... 75
   तरुण कांति खलखो
10. हिंदी साहित्य में नारी विमर्श..... 81
    मिथिला पी नायर

11. साहित्य और राजनीति 88
नितिन सुभाषराव कुंभकर्ण
12. Role of communication shaping the Indian literature 93
Dr Gunjan Sharma
13. साहित्य और बाल विमर्श 98
डॉ वन्दना गुप्ता
14. साहित्य में स्त्री विमर्श 104
साईमीरा जोशी
15. साहित्य में बाल विमर्श 108
अमित कुमार
16. डॉ॰ शांतिस्वरूप कुसुम के काव्य में पौराणिक कथाओं में नारी और समाज 113
रवि कुमार
17. Yog in Indian Literature 118
Dr Meenakshi Gupta
18. साहित्य में सांस्कृतिक पक्ष 123
डॉ. गीतू खन्ना
19. हिन्दी साहित्य में पर्यावरण विमर्श 130
डॉ. शक्ति बुद्धिराजा
20. हिन्दी साहित्य और बाल विमर्श 136
डॉ. अंजु बाला
21. हिन्दी साहित्य पर राजनीति का प्रभाव 145
संदीप कौर
22. ग्रामीण संदर्भ एवं स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी उपन्यास 152
डॉ. लक्ष्मी गुप्ता
23. हिन्दी साहित्य में बाजारवाद 160
डॉ. अमनदीप कौर
24. हिंदी साहित्य में बाल कथा विमर्श 166
मिस दीपमाला
25. भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता का वर्तमान स्वरूप और इसका महत्त्व 173
मोनिका चोपड़ा
26. वर्तमान युग में बोध एवं आचरण में सामंजस्य जैन-आदिपुराण के संदर्भ में 177

हिन्दी साहित्य और बाल विमर्श

डॉ. अंजु बाला
असिस्टेंट प्रोफेसर (हिन्दी)
गुरु नानक गर्ल्स कॉलेज यमुनानगर।

शोध सारांश

बाल साहित्य से तात्पर्य बच्चों के लिए लिखा गया साहित्य और बाल विमर्श से अभिप्राय बच्चों के लिए लिखित साहित्य के चिंतन, दशा और संभावनाओं पर आधारित विमर्श है। आज के बच्चे कल का भविष्य हैं और जो कुछ भी उनके लिए लिखा जाये वह साहित्य उनकी बौद्धिक उन्नति में सहायक हो। आज के तकनीकी विकास के युग में बाल साहित्य का स्वरूप भी परिवर्तित हुआ है। हर युग में बाल साहित्य लिखा जाता रहा है। विभिन्न कवियों, लेखकों और उपन्यासकारों ने बाल मानसिकता का अध्ययन करके अपनी लेखनी चलायी है। आज का बालक शैक्षिक परिवेश, अपना संसार, अपनी आकांक्षाएँ और अपनी अस्मिता साहित्य में पाना चाहता है। कुल मिलाकर आज के बालक की रुचि आधुनिकता बोध में है। समकालीन बाल साहित्य में बाल मनोविज्ञान, विज्ञान की प्रगति, समकालीन बदलते जीवन मूल्य और संचार माध्यमों में आई क्रांति आदि ही प्रमुख विषय वस्तु है।

बीज शब्द : तकनीकी, परिस्थितियों, मनोविज्ञान , मानसिकता, अस्मिता।

प्रस्तावना

बचपन व्यक्तित्व के निर्माण में सबसे अहम् भूमिका निभाता है। उस समय बच्चे जो देखते हैं, सुनते हैं, उसका उन पर गहरा प्रभाव पड़ता है। इस संदर्भ में बाल साहित्य की भूमिका महत्वपूर्ण है। एक साल से पन्द्रह साल तक का समय एक व्यक्ति की ज़िन्दगी में अत्यधिक अहम हैं। इस आयु में बच्चों में ज्ञान या नयी चीज़ें ग्रहण करने की इच्छा शक्ति तीव्र होती है। 18 की आयु में उनमें कुछ नये कर